तापमान
अधिकतम 38 .5 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

11 मेहनत व हौसले से एमडीयू के दिव्यांग...

12 4,797 ने दी पीजीटी की परीक्षा, 891 रहे अनुपस्थित

मेडिकल छात्रों पर फीस स्ट्राइक : 5 जून की ईसी बैठक के फैसले पर मुहर, 1 अगस्त से नई फीस लागू

हेल्थ विवि का झटका
अब छात्रों पर 4 से 8 गुना तक बोझ पड़ेगा

एमबीबीएस की एग्जाम फीस 2500 से 10,000
एमडी व एमएस 20,000, हर साल 10% बढ़ेगी

114 से अधिक संबद्ध कॉलेजों के हजारों विद्यार्थी होंगे प्रभावित

मनोज वर्मा ▶▶| रोहतक

खास खबर

मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए सनसनी फैलाने वाली खबर है। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएचएसआर), रोहतक ने छात्रों को बड़ा झटका देते हुए स्नातक (यूजी) व स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों की परीक्षा फीस बढ़ा दी है। फीस में 4 से 8 गुना तक की बढ़ोतरी की गई है। एमबीबीएस की वार्षिक परीक्षा फीस 2500 रुपये से बढ़ाकर अब 10 हजार रुपये की गई है। ऐसे ही डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) और मास्टर ऑफ सर्जरी (एमएस) के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फीस 2500 रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दी गई है। एम फार्मा की परीक्षा फीस 3 हजार से 12 हजार रुपये की गई है। ऐसे ही अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा फीस भी बढ़ा दी है। इससे भी बड़ा झटका यह है कि परीक्षा फीस, और अन्य पैनल्टी चार्ज अगले पांच साल तक हर वर्ष 10% बढ़ाए जाएंगे। यह अधिसूचना यूएचएसआर की ओर से सभी संबंद्ध संस्थानों और अधिकारियों को ई मेल के जरिए भेज दी गई है। इसमें साफ लिखा है कि हर साल फीस में बढ़ोतरी होगी। बता दें कि विवि की कार्यकारी परिषद (ईसी) की 5 जून को हुई बैठक में एग्जाम फीस बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी, जिसे अब लागू कर दिया है। इस फैसले के बाद एमबीबीएस, एमडी, एमएस, एम.फार्मा, बीपीटी, बीएससी नर्सिंग और बी.फार्मा सहित कई प्रमुख पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को पहले की तुलना में अधिक एग्जाम फीस देनी होगी। इस फैसले से अकेले रोहतक पीजीआईएमएस में ही करीब 2000 छात्र प्रभावित होंगे। विवि से जुड़े सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के अलावा नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी, फार्मेसी व अन्य पैरामेडिकल संस्थानों के छात्रों पर भी असर पड़ेगा। रोहतक की हेल्थ यूनिवर्सिटी से 8 सरकारी मेडिकल कॉलेज और 3 प्राइवेट कॉलेज संबद्ध हैं। इसके अलावा डेंटल कॉलेज, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, आयुर्वेद, फार्मेसी तथा अन्य पैरामेडिकल कॉलेज अलग हैं। कुल मिलाकर इनकी संख्या करीब 114 बताई जा रही है, लेकिन मान्यता और संबद्धता समय समय पर अपडेट होने के कारण संख्या घटती बढ़ती रहती है।

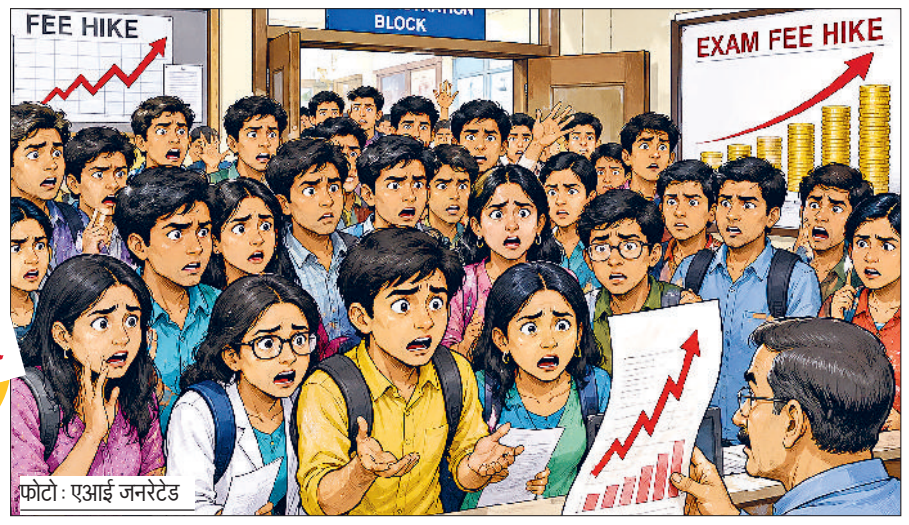

फोटो : एआई जनरेटेड

बीपीटी के विद्यार्थियों की परीक्षा फीस भी दोगुनी कर दी गई है

कुछ कोर्सों में मामूली तो कुछ में कई गुना बढ़ोतरी

विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों में समान वृद्धि नहीं की है। बी.फार्मा और बीएससी नर्सिंग की परीक्षा फीस में केवल 250 रुपये प्रति सेमेस्टर बढ़ोतरी की गई है, जबकि एम.फार्मा की परीक्षा फीस 3000 से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दी गई है। बीपीटी के विद्यार्थियों की परीक्षा फीस भी दोगुनी कर दी गई है।

नई और पुरानी फीस में बड़ा अंतर

पाठ्यक्रम	पुरानी	नई
एमबीबीएस (प्रति वर्ष)	2500	10,000
बी.फार्मा (सेमेस्टर)	2000	2,250
बीएससी नर्सिंग (सेमेस्टर)	2000	2,250
एम फार्मा	3,000	12,000
एम फार्मा (थीसिस जमा)	6000	10,000
बीपीटी	2250	4,500
एमडी/ एमएस	2500	20,000

(पुरानी परीक्षा फीस की जानकारी विवि के छात्रों द्वारा दी गई है।)

संबद्ध कॉलेजों के छात्रों पर असर

यूएचएसआर केवल मेडिकल कॉलेजों तक सीमित नहीं है। विश्वविद्यालय से सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के अलावा डेंटल, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, फार्मेसी तथा अन्य पैरामेडिकल संस्थान भी संबद्ध हैं। कुल मिलाकर विवि से करीब 114 से ज्यादा कॉलेज जुड़े हुए हैं। ऐसे में परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी का प्रभाव केवल मेडिकल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हजारों छात्र-छात्राओं को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी लागू

विश्वविद्यालय से संबद्ध आठ सरकारी मेडिकल कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी अब नई परीक्षा फीस के अनुसार ही शुल्क जमा करना होगा। इनमें पीजीआईएमएस रोहतक, बीपीएस महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां, कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय करनाल, महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा, शहीद हसन खान मेवाती गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज नूंह, महर्षि च्यवन राजकीय मेडिकल कॉलेज कोरियावास, श्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकारी मेडिकल कॉलेज छांयसा (फरीदाबाद) सहित अन्य संबद्ध सरकारी संस्थान शामिल हैं।

निजी मेडिकल कॉलेजों के छात्र भी प्रभावित

यूएचएसआर से संबद्ध निजी मेडिकल कॉलेजों में एनसी मेडिकल कॉलेज इसराना, वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च झज्जर और आदेश मेडिकल कॉलेज मोहरी (अंबाला) शामिल हैं। इन संस्थानों के विद्यार्थियों पर भी नई परीक्षा शुल्क व्यवस्था लागू होगी और उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित संशोधित फीस के अनुसार राशि जमा करनी होगी।

मेडिकल शिक्षा का खर्च और बढ़ेगा

मेडिकल शिक्षा पहले ही सबसे महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों में शामिल है। ट्यूशन फीस, हॉस्टल, किताबें, लैब, क्लीनिकल ट्रेनिंग और अन्य खर्चों के बीच परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी छात्रों व अभिभावकों का आर्थिक बोझ बढ़ाएगी।

हेल्थ यूनिवर्सिटी ने ईमेल से दी जानकारी

हेल्थ यूनिवर्सिटी की ओर से सभी मेडिकल कॉलेज और अधिकारियों को एक ईमेल करके एग्जाम फीस बढ़ोतरी की जानकारी दे दी गई है। इस ईमेल में बताया गया है कि 5 जून को एजेंडा संख्या 39 और 40 के अंतर्गत हुई कार्यकारी परिषद (ईसी) की 57वीं बैठक में मंजूरी के अनुसार हेल्थ यूनिवर्सिटी रोहतक ने विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षा फीस में संशोधन किया है। संशोधित एग्जिमनेशन फीस शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों और उसके बाद के सभी बैचों पर लागू होगा। इसके बलावा परीक्षा सेवाओं से संबंधित अन्य शुल्क और पैनल्टी चार्ज, जिनका विवरण दिया गया है, उनमें भी संशोधन किया गया है। ये संशोधित शुल्क 1 अगस्त 2026 से सभी विद्यार्थियों पर लागू होंगे। ईमेल में यह भी बताया है कि एग्जामिनेशन फीस, अन्य पैनल्टी चार्ज में अगले पांच साल तक प्रत्येक वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।

तनाव से जूझ रहा युवक आत्महत्या का कर रहा था प्रयास

एमडीयू: हॉस्टल के छात्रों ने दरवाजा तोड़कर बचाई युवक की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हॉस्टल नंबर-8 में शनिवार को कुछ मिनटों की सतर्कता ने एक युवक की जिंदगी बचा ली। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद होने और बार-बार आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिलने से अनहोनी की आशंका हुई। जब छात्रों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। युवक पंखे से फंदे पर लटका हुआ था। बिना समय गंवाए छात्रों और सुरक्षाकर्मियों ने उसे नीचे उतारा और सीपीआर देकर उसकी सांसें वापस लाने का प्रयास किया। समय पर मिले प्राथमिक उपचार के कारण युवक की जान बच गई।

जानकारी के अनुसार सीसर खास निवासी शिवम पिछले कुछ दिनों से पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव से परेशान था। शनिवार को वह एमडीयू के हॉस्टल नंबर-8 में रहने वाले अपने मौसी के बेटे अंकुश के पास खाना देने आया था। कमरे में कुछ देर बैठने के बाद शिवम ने अंकुश से पीने के लिए पानी मांगा। जैसे ही अंकुश पानी लेने बाहर गया, शिवम ने अंदर से कमरे का दरवाजा बंद कर लिया और चादर का फंदा बनाकर पंखे से लटक गया।

अंकुश पानी लेकर लौटा तो दरवाजा बंद मिला

कुछ देर बाद अंकुश पानी लेकर लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। उसने कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनहोनी की आशंका होते ही उसने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर हॉस्टल के छात्र और विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर कमरे का दरवाजा तोड़ा तो शिवम फंदे पर लटका मिला।

सीपीआर बना जीवनदान

छात्रों ने बिना घबराए तुरंत शिवम को फंदे से नीचे उतारा और उसे सीपीआर देना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में उसकी हलचल शुरू हुई। इसके बाद उसे तुरंत पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार समय पर सीपीआर मिलने से उसकी जान बच गई और फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

तनाव में करें सहयोग

शिवम पिछले तीन-चार दिनों से पारिवारिक कलह और मानसिक तनाव से जूझ रहा था। पुलिस और विवि प्रशासन जानकारी जुटा रहे हैं। घटना ने एक बार फिर मानसिक तनाव से जूझ रहे लोगों को समय रहते सहयोग और परामर्श उपलब्ध कराने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

मानसरोवर पार्क में मॉर्निंग वाक पर निकले लोगों को मिला युवक का शव

- युवक की नहीं हुई पहचान शव डेड हाउस में रखवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मानसरोवर पार्क में सुबह की सैर के लिए पहुंचे लोगों के कदम उस समय ठिठक गए, जब पार्क के बाहर एक युवक बेसुध अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। पास जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस व एफएसएल इंचार्ज डॉ सरोज दहिया मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में युवक द्वारा सल्फास खाकर आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष है, लेकिन देर शाम तक उसकी पहचान नहीं हो सकी। आसपास मौजूद लोगों और राहगीरों से पूछताछ की गई, मगर किसी ने भी युवक की शिनाख्त नहीं की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डेड हाउस में रखवा दिया है।

रोहतक। जांच करतीं एफएसएल टीम की हेड डॉ .सरोज दहिया।

जेब में मिली सल्फास की गोली, आत्महत्या की आशंका

मौके की तलाशी के दौरान युवक की जेब से सल्फास की एक गोली बरामद हुई। पुलिस का मानना है कि युवक ने सल्फास का सेवन किया, जिससे उसकी मौत हुई। हालांकि मौत के सही कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका खुलासा उसकी पहचान होने और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

ट्रक के ऊपर मौत कर रही थी इंतजार

हिसार बाइपास पर मिठाई से भरे ट्रक पर तिरपाल हटाने गया युवक हाईटेंशन तार की चपेट में आया, मौके पर मौत

रोहतक। मिठाई से भरे ट्रक को खाली करने की तैयारी चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही पलों में यह सामान्य काम दर्दनाक हादसे में बदल जाएगा। ट्रक की छत पर चढ़कर तिरपाल हटाने गया युवक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। तेज करंट लगते ही वह ट्रक पर ही गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसा हिसार बाईपास पर भिवानी चुंगी रोड की ओर रेलवे फाटक से पहले हुआ। मृतक की पहचान राजस्थान के जयपुर निवासी 28 वर्षीय बालूराम के रूप में हुई है। वह मिठाई के डिब्बों से भरे ट्रक के साथ रोहतक आया था। सामान उतारने से पहले वह ट्रक पर चढ़कर तिरपाल खोल रहा था। इसी दौरान ट्रक के ठीक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आने से उसे जोरदार करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस व एफएसएल इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए डेड हाउस भिजवा दिया।

सांपला में सरकारी संपत्ति भी सेफ नहीं

तहसील की बाउंड्री की 100 ग्रिल उड़ा ले गए चोर

रोहतक। बाउंड्री वॉल पर नहीं हैं लोहे की ग्रिलें।

- गर्ल्स कॉलेज गेट से नपा कार्यालय तक फैली दीवार, सुरक्षा पर उठे सवाल, चोरी या मिलीभगत, जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के दावों के बीच सांपला में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। तहसील कार्यालय की बाउंड्री वॉल पर सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की ग्रिलें एक-एक कर गायब होती चली गईं, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। हालत यह है कि अब एक-दो नहीं, बल्कि 100 से अधिक ग्रिलें अपनी जगह से गायब हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब व्यस्त सड़क और सरकारी कार्यालयों के सामने हुआ। सांपला तहसील कार्यालय की बाउंड्री वॉल पर लोगों की सुरक्षा और परिसर की घेराबंदी के लिए लोहे की ग्रिलें लगाई गई थीं। पिछले कुछ दिनों से इन ग्रिलों के गायब होने का सिलसिला शुरू हुआ, जो लगातार बढ़ता गया। अब गर्ल्स कॉलेज के मुख्य गेट के सामने से लेकर नपा कार्यालय के सामने तक बाउंड्री वॉल के लंबे हिस्से से 100 से ज्यादा ग्रिलें गायब हो चुकी हैं।

विभाग की चुप्पी भी सवालों के घेरे में

ग्रिलें गायब होने के बाद विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
GRADED 'A' BY NAAC | NBA ACCREDITED PROGRAMS
Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak | Recognized u/s 2(f) of UGC Act, 1956
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
B.TECH ME, ECE and MBA
RANKED #16 In North India
RANKED #38 Pvt. Institutes in India
RANKED #39 Across India
RANKED #46 Placement Across India
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
Times Engineering Institute Ranking Survey-2026
ADMISSIONS OPEN 2026-27
B.TECH B.TECH (LEET)
Fire Technology and Safety
CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS)
ECE, Electrical
Civil, Mechanical
OTHER UG & PG COURSES
M.TECH | MBA | BBA | MCA
BCA | M.ARCH | B.ARCH
M.PLAN | M.ED | B.ED
COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings)
B.TECH
Fire Tech. & Safety / CSE/ Electrical/Civil
M.TECH
CSE / Structural Design
MBA | MCA
MEGA JOB FAIR
11th July, 2026
Register
For more details
Call: 8684000389 /906
SCHOLARSHIP TEST
GITAM SCHOLARSHIP -CUM- ADMISSION TEST
19th July, 2026
11:00 am Onwards
FREE REGISTRATION FOR TEST
GANGA GROUP OF INSTITUTIONS
Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
For Admission Enquiry: 8684000891 / 892 / 893 / 9654292946 | www.gangainstitute.com
Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

HAPPY CHILD COLLEGE OF NURSING
SONIPAT Health for All
Mehlana Road, Opp. Sector-23, Sonepat
(Managed by Balyan Education Society & Approved by HNRC & INC New Delhi)
(A pioneering institute in Nursing Education in Delhi-NCR) Affiliated by Pt. BD Sharma University of Health Science, Rohtak
Contact : 09215550127
Website : hcsnursing.org, Email : info@hcsnursing.org
B.Sc. (N) (4 Years) Eligibility : 10+2 PCB
ANM Arts & Commerce (2 Years)Eligibility : 10+2 PASS
P.B. B.Sc. (N) (2 Years) Eligibility : after GNM
GNM Arts & Commerce (3 Years) Eligibility : 10+2 WITH 40%
2026-27 ADMISSION OPEN
Boys & Girls
All the Courses are Job-Oriented with Excellent Placement
Narender Balyan (Chairman) Mob.: 9215550127

भैणी सुरजन माइनर टूटने का खतरा

किसानों की सिंचाई हो सकती है प्रभावित

■ साथ में चल रहा है पाइप दबाने का कार्य

महम। महम क्षेत्र के जूई फीडर से निकलने वाली भैणी सुरजन माइनर से अनेक किसानों की कृषि भूमि की सिंचाई होती है। इस माइनर के साथ क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पाइपलाइन निर्माण कार्य चल रहा है, जो जनहित में आवश्यक है। निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा भैणी सुरजन माइनर पर पंप हाउस के लिए मिट्टी खोदी गई है, जिससे माइनर टूटने का खतरा बना हुआ है। इसका सीधा असर किसानों की सिंचाई पर पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि जूई फीडर में लगभग 30 दिनों के अंतराल के बाद पानी आता है। यदि माइनर का प्रवाह बाधित रहेगा तो खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा और फसलों को नुकसान होने की आशंका है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश भारद्वाज ने संबंधित विभागों से मांग की है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि सिंचाई बाधित न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि माइनर पर निर्माण कार्य करना आवश्यक हो, तो यह कार्य उस समय किया जाए जब माइनर बंद हो, जिससे किसानों की सिंचाई प्रभावित न हो। अशोक नगर निवासी राममेहर सिंह ने बताया कि यदि माइनर टूट गई तो भैणी मातो, भैणी सुरजन और महम के सैकड़ों किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उसने 80 एकड़ में गन्ने की खेती कर रखी है। यदि फसल की सिंचाई नहीं हो पाई तो उसे अत्यधिक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए जब तक नहर में पानी चल रहा है तब तक कोई ऐसा निर्माण न किया जाए, जिससे माइनर टूट जाए।

महम। पंप हाउस बनाने के लिए भैणी सुरजन माइनर के पास खोदा गया गड्ढा, जहां पर कभी भी माइनर टूट सकती है। फोटो: हरिभूमि

सीएचसी सांपला में मरीजों को जल्द जांच के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा

अस्पताल में बनेगी आधुनिक लैब एक छत के नीचे होंगी सभी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

गंभीर बीमारियों या महामारी के दौरान कई जांचों के लिए सैंपल भेजने पड़ते हैं रोहतक

दो माह में तैयार होने की उम्मीद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सांपला में मरीजों को जल्द ही जांच के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। अस्पताल परिसर में आधुनिक लैब का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके तैयार होने के बाद अधिकांश जांचें एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। वर्तमान में करीब 36 बिस्तरों वाले इस अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 300 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं। क्षेत्र की बढ़ती आबादी के साथ मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। फिलहाल अस्पताल में करीब आधा दर्जन प्रकार की जांचें एक कमरे में की जाती हैं, जबकि रक्त जांच के लिए मरीजों को अलग स्थान पर सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है। वहीं गंभीर बीमारियों या महामारी के दौरान कई जांचों के लिए सैंपल रोहतक भेजने पड़ते हैं। नई लैब शुरू होने के बाद मरीजों को अधिकांश जांचों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। भविष्य में महामारी जैसी परिस्थितियों में भी कई जरूरी सैंपलों की जांच अस्पताल स्तर पर ही किए जाने की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एसएमओ डॉ. रीटा गोयल ने बताया कि लैब का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और अगले दो माह में इसके तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि लैब शुरू होने के बाद अस्पताल परिसर में ही एक छत के नीचे विभिन्न प्रकार की जांचों की सुविधा मरीजों को उपलब्ध कराई जाएगी।

गांव चुलियाणा में पुलिस की मौजूदगी में चली कार्रवाई

बिजली चोरी पर निगम की छापेमारी ग्रामीणों का हंगामा, तीन मीटर जब्त

15 घरों की जांच, चार लाख रुपये का जुर्माना प्रस्तावित

■ गांव में बिजली चोरी और मीटरों में गड़बड़ी किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं

■ मीटर की लैब जांच के बाद तय की जाएगी अंतिम पेनल्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बिजली चोरी पर शिकंजा कसने निकली बिजली निगम की टीम को गांव चुलियाणा में उस समय विरोध का सामना करना पड़ा, जब जांच के दौरान तीन उपभोक्ताओं के बिजली मीटर उतार लिए गए। कार्रवाई की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और मीटर उतारने का विरोध करते हुए हंगामा शुरू हो गया। हालांकि पुलिस की मौजूदगी के चलते टीम ने पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक पूरी की। बिजली निगम ने प्रारंभिक जांच के आधार पर करीब चार लाख रुपये का जुर्माना प्रस्तावित किया है।

बता दें कि बिजली निगम को गांव में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिजली चोरी और मीटरों में गड़बड़ी किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के आधार पर निगम की विजिलेंस और संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम ने गांव में औचक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान करीब 15 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन और मीटरों की गहन जांच की गई। जांच में तीन मीटर संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें मौके से उतारकर कब्जे में ले लिया गया।

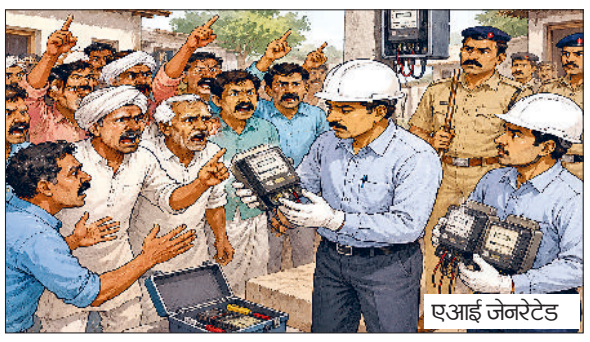

एआई जेनरेटेड

ग्रामीण मौके पर पहुंचे, पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला

जैसे ही मीटर उतारे जाने की कार्रवाई शुरू हुई, ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। कुछ लोगों ने निगम की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए विरोध जताया और मीटर वापस लगाने की मांग की। स्थिति को देखते हुए पहले से मौजूद पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला और लोगों को समझाकर माहौल शांत कराया। इसके बाद टीम ने बिना किसी बाधा के अपनी कार्रवाई पूरी की।

जांच के लिए अधिकृत लैब भेजा

बिजली निगम के अधिकारियों ने बताया कि जिन मीटरों को उतारा गया है, उन्हें तकनीकी जांच के लिए निगम की अधिकृत लैब भेजा जाएगा। लैब में यह जांच होगी कि मीटरों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ की गई थी या नहीं। रिपोर्ट आने के बाद ही संबंधित उपभोक्ताओं पर अंतिम जुर्माना और विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

चार लाख की पेनल्टी प्रस्तावित

अनियमितताएं मिलने पर संबंधित उपभोक्ताओं पर करीब चार लाख का जुर्माना प्रस्तावित किया गया है। यदि लैब जांच में बिजली चोरी या मीटर से छेड़छाड़ की पुष्टि होती है तो जुर्माने की राशि बढ़ सकती है और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। रिपोर्ट आने के बाद ही संबंधित उपभोक्ताओं पर अंतिम जुर्माना और विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

बिजली चोरों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा: निगम

बिजली निगम की टीम के साथ स्थानीय पुलिस भी पूरे समय मौजूद रही। अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और जहां भी शिकायत मिलेगी, वहां बिना पूर्व सूचना के छापेमारी की जाएगी। निगम ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली का वैध उपयोग करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचें, क्योंकि पकड़े जाने पर भारी जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

न्यूज डायरी

कटवाड़ा आश्रम में संत गुरु रविदास की प्रतिमा स्थापित, भंडारा भी लगाया

रोहतक। गांव कटवाड़ा स्थित सर्वसंत मत रूप आश्रम ट्रस्ट में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की प्रतिमा स्थापना के साथ संत रूपदास महाराज के वार्षिक संत समागम एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, साध-संगत और संत-महात्माओं ने भाग लिया। आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष संत भारती दास ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महंत बिजेंद्र दास महाराज तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आचार्य डॉ. मनजीत महाराज सहित विभिन्न राज्यों से आए संत-महात्मा उपस्थित रहे। महंत बिजेंद्र दास महाराज ने कहा कि सभी को संत गुरु रविदास जी के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता, प्रेम और सेवा की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने आश्रम ट्रस्ट द्वारा वर्षों से किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की सराहना की। आचार्य डॉ. मनीज महाराज ने कहा कि संत रूपदास महाराज द्वारा स्थापित आश्रम आज संत भारती दास के नेतृत्व में समाजसेवा और आध्यात्मिक जागरूकता का केंद्र बन चुका है। उन्होंने संत रविदास के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे संत-महात्माओं का सम्मान किया गया। संत भारती दास ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

7 जुलाई को नई अनाज मंडी में दिखेगा भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, तैयारियां तेज

रोहतक। भाजपा की नवनियुक्त हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के 7 जुलाई को रोहतक आगमन को लेकर पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाले भव्य सम्मान समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए शनिवार को पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कलानौर विधानसभा क्षेत्र के सरपंचों, ब्लॉक समिति सदस्यों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। इसके अलावा सनसिटी स्थित भाजपा कार्यालय में भी अलग बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना के बल पर आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। उन्होंने कहा कि 7 जुलाई का सम्मान समारोह केवल स्वागत कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के उत्साह और भाजपा की ताकत का बड़ा प्रदर्शन होगा। बैठक को वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप जैन, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पूर्व मंत्री कृष्णमूर्ति हुड्डा, जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका और कलानौर ब्लॉक समिति अध्यक्ष नीरज कुमार ने भी संबोधित किया।

अग्रवाल वैश्य समाज 'संगठन संवाद' कार्यक्रम आज

रोहतक। अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व विकास और समाजहित के कार्यों को नई दिशा देने के उद्देश्य से 5 जुलाई को श्री अग्रसेन धाम, कुंडली (सोनीपत) में 'संगठन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पानीपत, सोनीपत और रोहतक जिलों के पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य, युवा एवं महिला विंग के प्रतिनिधि तथा समाज के गणमान्य लोग भाग लेंगे। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पदाधिकारियों को उनके दायित्वों, संगठन की कार्यप्रणाली और समाज के प्रति जिम्मेदारियों से अवगत कराना है। समाज को मजबूत बनाने के लिए केवल पद धारण करना पर्याप्त नहीं, बल्कि संगठन की विचारधारा और कार्यसंस्कृति की समझ भी आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी संगठन की भावी योजनाओं, जिला एवं विधानसभा इकाइयों के विस्तार, युवा नेतृत्व निर्माण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और संगठन की कार्यशैली पर विस्तृत मार्गदर्शन देंगे।

सुभाष चंद्र के जन्मदिवस पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

रोहतक। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार को नगर निगम के सहयोग से पूरे जिले में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा स्वच्छ और सुंदर वातावरण का संदेश देना था। अभियान की शुरुआत स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकर्ताओं, हरियाणा सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के सदस्य विकास रोहिल्ला, वार्ड-18 के पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र रोहिल्ला तथा अन्य प्रबुद्ध नागरिकों ने झाड़ू लगाकर की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता से जुड़े बैनर और संदेशों के माध्यम से लोगों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विकास रोहिल्ला ने कहा कि सुभाष चंद्र ने हरियाणा में स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के लिए लगातार कार्य किया है। उनके इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उनके जन्मदिवस को सादगी और सेवा भाव के साथ 'स्वच्छता दिवस' के रूप में मनाया गया। अभियान के दौरान 'सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त' अभियान का भी संदेश दिया गया। विश्व पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से लोगों से प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद कर कपड़े और जूट के थैलों को अपनाने की अपील की गई। इस अवसर पर एक नई पहल बढ़ाएं हाथ, करें पर्यावरण को साफ/" का नारा भी दिया गया।

शहीद ले. कुलदीप राठी की पुण्यतिथि पर स्मृति यज्ञ और दी श्रद्धांजलि

रोहतक। मदवि के यूनिवर्सिटी कैंपस स्कूल के एलुमनी एवं कारगिल में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद लेफ्टिनेंट कुलदीप राठी की पुण्यतिथि पर मानसरोवर पार्क में स्मृति यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा, एमडीयू के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया, शहीद के भाई डॉ. प्रताप राठी एवं अन्य परिजनों, प्रो. जे.एस. सिक्का, सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. एसजेडएच नकवी एवं डॉ. शमशेर अहलावत, डॉ. अशोक वर्मा, कृष्ण लाल मलिक वर्मा सहित शिक्षकों, शिक्षाविदों एवं शहर के अनेक प्रबुद्धजनों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। डॉ. प्रताप राठी ने बताया कि 4 जुलाई 2001 को कुपवाड़ा क्षेत्र में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए लेफ्टिनेंट कुलदीप राठी वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्र सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं, बल्कि अपने साहस और बलिदान के कारण सदैव देशवासियों के दिलों में जीवित रहते हैं।

जुलाई से राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के विभिन्न सर्वेक्षण होंगे शुरू: डीसी

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जुलाई माह से जिला में विभिन्न राष्ट्रीय महत्व के सांख्यिकीय सर्वेक्षण शुरू किए जाएंगे। इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य रोजगार, प्रवासन, उपभोक्ता मूल्य, ऋण एवं निवेश, कृषि परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति तथा औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों से संबंधित विश्वसनीय आंकड़े एकत्रित करना है, ताकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जनहितकारी योजनाओं एवं नीतियों का प्रभावी निर्माण किया जा सके। सचिन गुप्ता ने बताया कि जिला में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के लिए सुनारिया खुर्द तथा रोहतक शहरी क्षेत्र, राष्ट्रीय पारिवारिक आय सर्वेक्षण के लिए मकड़ौली खुर्द, भराण एवं रोहतक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सर्वेक्षण के लिए खरैंटी (लाखनमाजरा) तथा इस्माइला (सांपला), प्रवासन संबंधी विवरण में सर्वेक्षण के लिए रोहतक तथा शिमली, जबकि अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश व कृषि परिवारों का स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण के लिए भैंसरू खुर्द (सांपला), रोहतक ब्लॉक-22 तथा रोहतक ब्लॉक-32 क्षेत्रों का चयन किया गया है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय वर्ष 1950 से देशभर में परिवारों एवं संस्थानों से आंकड़े एकत्रित करने का कार्य कर रहा है। इन आंकड़ों का उपयोग राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर विकास योजनाओं, नीतियों तथा विभिन्न सामाजिक-आर्थिक मानकों के मूल्यांकन के लिए किया जाता है। एनएसओ के प्रशिक्षित अधिकारी वैज्ञानिक नमूना चयन पद्धति के आधार पर चयनित परिवारों, गांवों एवं शहरी क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे और टैबलेट आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से सर्वेक्षण करेंगे। सचिन गुप्ता ने बताया कि जुलाई 2026 से अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण, कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण तथा प्रवासन का संचालन किया जाएगा।

तैयारी | महम एसडीएम विपिन कुमार ने सुपरवाइजरों और जनप्रतिधियों संग की बैठक

एसडीएम ने जनप्रतिनिधियों से एसआईआर सर्वे को सफल बनाने के लिए मांगी मदद

सर्वे टीम के सामने सही जानकारी ही दर्ज करवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम के एसडीएम विपिन कुमार ने विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट सर्वेक्षण कार्य को गति देने और इसे पूरी तरह त्रुटिहीन बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। लघु सचिवालय परिसर में आयोजित इस बैठक में कई सरपंचों, पार्षदों, ब्लॉक समिति सदस्यों और अन्य मौजिज जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही एसडीएम ने सर्वे कार्य में लगे सुपरवाइजरों की भी एक विशेष बैठक ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम विपिन कुमार ने कहा कि कोई भी सरकारी अभियान या नीति तब तक अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती, जब तक उसमें आम जनता की सीधी भागीदारी न हो। चूंकि जनप्रतिनिधि सीधे तौर पर जनता से जुड़े होते हैं और ग्रामीण परिवेश में उनकी बात का विशेष महत्व होता है, इसलिए इस सर्वे को सफल बनाने में उनकी भूमिका सबसे अहम है। एसडीएम ने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने गांवों और वार्डों में मुनादी करवाकर या व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को 'एसआईआर' सर्वे के महत्व के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे टीमों को लेकर कई तरह के भ्रम या आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। जनप्रतिनिधियों की यह जिम्मेदारी है कि वे जनता के बीच जाकर इन अफवाहों का खंडन करें और ग्रामीणों को प्रेरित करें कि वे सर्वे टीम के सामने अपनी सही और सटीक जानकारी ही दर्ज करवाएं।

महम। सुपरवाइजरों और जनप्रतिधियों की बैठक लेते एसडीएम विपिन कुमार। फोटो: हरिभूमि

फील्ड वर्क की समीक्षा

जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद से पहले एसडीएम विपिन कुमार ने एसआईआर अभियान में तैनात किए गए सुपरवाइजरों के साथ फील्ड वर्क की समीक्षा की। सुपरवाइजरों को कड़े निर्देश देते हुए एसडीएम ने कहा कि फील्ड स्टाफ द्वारा जुटाए जा रहे आंकड़ों की वे खुद मौके पर जाकर रैंडम चेकिंग करें। डेटा की सटीकता से समझौता नहीं किया जाएगा।

बैठक में दिए कड़े निर्देश

एसडीएम ने कहा कि एसआरआर भविष्य की योजनाओं का आधार है। एसआईआर से जो आंकड़े और फीडबैक एकत्र किए जा रहे हैं, वे बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य में महम क्षेत्र के विकास, सामाजिक कल्याण की योजनाओं और बुनियादी ढांचे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यदि आज आंकड़े सही होंगे, तो क्षेत्र को पूरा हक मिल सकेगा।

बाइक चोर गिरोह सक्रिय

पेट्रोल पंप से उड़ाई मोटरसाइकिल

सांपला। शहर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामले में सांपला स्थित भारत पेट्रोलियम पंप से एक कर्मचारी की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। लगातार सामने आ रही वारदातों ने शहर में सक्रिय बाइक चोर गिरोह की आशंकाओं को भी बल दिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव जसिया निवासी राहुल ने बताया कि वह भारत पेट्रोलियम कंपनी में विजिटर के पद पर कार्यरत है। शुक्रवार को वह ड्यूटी के लिए भारत पेट्रोलियम पंप पर पहुंचा था। उसने अपनी एचएफ सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पंप परिसर में खड़ी की और काम में व्यस्त हो गया। कुछ समय बाद वापस लौटने पर बाइक अपने स्थान से गायब मिली। राहुल ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन मोटरसाइकिल का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसने थाना सांपला में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटा रही है ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही

मदीना की सरपंच अंजू देवी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से की मुलाकात

महम। महम खंड की ग्राम पंचायत मदीना गिंधराण द्वितीय की सरपंच अंजू देवी को दिशा कमेटी का सदस्य बनाया गया है। अंजू देवी को प्रदेश स्तरीय कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर गांव में खुशी का माहौल है। नियुक्ति के बाद शनिवार को उन्होंने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी से उनके आवास पर भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताया। सीएम ने भी उनको नियुक्ति के लिए शुभकामनाएं दी हैं। महिला सरपंच के पति जगबीर शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दिशा कमेटी की हरियाणा राज्य स्तरीय समिति का सदस्य नियुक्त किया है। इस अवसर पर उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता जगबीर शर्मा उर्फ राजा,राजेश, राहुल शर्मा, गीता सरपंच ब्राह्मणवास व पंच राजेंद्र शर्मा कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

अवैध हथियार के साथ युवक काबू

सांपला। शुक्रवार देर रात स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट रोहतक ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सांपला बाईपास क्षेत्र से एक युवक को अवैध देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एएसआई नवीन कुमार के नेतृत्व में एसडीयू की टीम शुक्रवार रात क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि झज्जर-सोनीपत मार्ग स्थित सांपला बाईपास पुल के नीचे एक युवक अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर युवक वहां से हटने का प्रयास करने लगा, लेकिन जवानों ने उसे तुरंत दबोच लिया। आरोपी की पहचान गौरव मलखान पुत्र मलखान निवासी प्रकाश नगर, मझौला, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई।

खबर संक्षेप

स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के सदस्य।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रोहतक। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति की ओर से शनिवार को हुडा कॉम्प्लेक्स स्थित माधव कुंज में भारत के महान संत एवं युवा प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष देवेंद्र गोयल एवं अन्य सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समिति के संयोजक अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के महान संत, दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरु थे। संन्यास से पूर्व उनका नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। उन्होंने वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में अपने ऐतिहासिक संबोधन अमेरिका के भाइयों और बहनों से पूरी दुनिया का ध्यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकर्षित किया। रमेश गोयल ने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध संदेश /"उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए/" का उल्लेख करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुभाष आहूजा, देवेंद्र गोयल, अशोक कुमार गुप्ता, सुशील कुमार, सुनील कुमार, रमन गुप्ता, कन्हैया चावला, शादी लाल विरवानी, अजय दुआ, रविंद्र सक्सेना, शंकर लाल गर्ग, संजय सिंगला, नितिन जैन, रमेश गोयल, शंकर दास सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खेल व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम

मेहनत व हौसले से एमडीयू के दिव्यांग क्रिकेटर संदीप खन्ना ने पाई सफलता

दिव्यांग इंडियन क्रिकेट लीग में उपविजेता रही टीम का हिस्सा बनने पर दी बधाई

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने राष्ट्रीय स्तर की दिव्यांग इंडियन क्रिकेट लीग में उपविजेता रही टीम का हिस्सा बनने वाले विश्वविद्यालय के छात्र संदीप खन्ना को सम्मानित कर उनकी उपलब्धि पर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जालंधर (पंजाब) में 28 जून से 2 जुलाई तक आयोजित दिव्यांग इंडियन क्रिकेट लीग में संदीप खन्ना ने अपनी टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन पंजाब डेफ क्रिकेट फेडरेशन ने ऑल इंडिया क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ डेफ से संबद्ध होकर किया था। प्रतियोगिता में उनकी टीम उपविजेता रही, जबकि उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संदीप को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट से भी सम्मानित किया गया। कुलपति ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि संदीप खन्ना ने अपनी लगन, मेहनत और प्रतिभा से यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। उनकी उपलब्धि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

खिलाड़ी संदीप खन्ना को बधाई देते कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया।

विश्वविद्यालय अपने खिलाड़ियों को हर संभव प्रोत्साहन और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि संदीप भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी संदीप की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्वविद्यालय कर्मचारियों की भूमिका संस्थानों की प्रगति में महत्वपूर्ण : कुलपति

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) सभागार में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ की दो दिवसीय प्रथम कार्यकारिणी बैठक शनिवार को संपन्न हो गई। दो दिनों तक चली बैठक में कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्याओं, पदोन्नति, कार्य परिस्थितियों, कर्मचारी कल्याण, विश्वविद्यालयों में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था तथा कर्मचारी संगठनों के बीच समन्वय को मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर साझा प्रयासों को और प्रभावी बनाने पर सहमति व्यक्त की बैठक के दूसरे दिन एमडीयू के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियां ने महासंघ के पदाधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति में कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। कर्मचारियों की कार्यकुशलता, समर्पण और प्रतिबद्धता ही किसी संस्थान की पहचान बनाती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा, बेहतर कार्य वातावरण और सतत संवाद के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन सदैव प्रतिबद्ध है। एमडीयू के कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल कहा कि विश्वविद्यालय कर्मचारी संस्थान की प्रगति के सच्चे भागीदार हैं।

विश्वविद्यालय कर्मचारी संस्थान की प्रगति के सच्चे भागीदार : कुलसचिव

चार माह के इंतजार के बाद तिलियार लेक के सामने सड़क निर्माण शुरू

दुकानदारों और राहगीरों ने ली राहत की सांस

- रोड़ी और निर्माण सामग्री से उड़ रही धूल से लोग थे परेशान
- अब सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से व्यापारियों को कारोबार पटरी पर लौटने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

करीब चार माह से अधर में लटका तिलियार लेक के सामने सड़क निर्माण कार्य आखिरकार गति पकड़ चुका है। लंबे इंतजार के बाद सड़क पर निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र के दुकानदारों, स्थानीय लोगों और रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है। पिछले कई महीनों से सड़क पर रोड़ी, बजरी और अन्य निर्माण सामग्री बिछी होने के कारण पूरे क्षेत्र में दिनभर धूल उड़ती रहती थी, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह सड़क शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक मानी जाती है।

जोखिम भरा बन गया था मार्ग

तिलियार लेक, दिल्ली बाईपास और आसपास के संस्थानों की ओर आने-जाने वाले हजारों वाहन प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं। सड़क निर्माण अधूरा रहने के कारण जगह-जगह ऊबड़-खाबड़ रास्ता बन गया था। वाहन चालकों को धूल और गड्ढों के बीच सफर करना पड़ता था, जबकि दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जोखिम भरा बन गया था। सड़क पर लंबे समय तक रोड़ी बिछी रहने से सबसे अधिक परेशानी आसपास के दुकानदारों को उठानी पड़ी। दुकानों के बाहर दिनभर धूल जमा रहती थी, जिससे ग्राहकों की आवाजाही भी प्रभावित हुई।

बढ़ रही थी परेशानी, हो रहे थे हादसे

राहगीरों का कहना है कि पिछले चार माह में उन्हें काफी असुविधा झेलनी पड़ी। धूल के कारण सांस संबंधी परेशानी, आंखों में जलन और सड़क पर फिसलने जैसी घटनाएं भी सामने आईं। कई बार तेज रफ्तार वाहनों के गुजरने से धूल का गुबार उठता था, जिससे कुछ देर तक सामने का दृश्य भी स्पष्ट दिखाई नहीं देता था। ऐसे में दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी।

गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही सड़क के दोनों ओर जल निकासी और आवश्यक सुरक्षा प्रबंध भी सुनिश्चित किए जाएं, ताकि बरसात के मौसम में सड़क पर पानी जमा न हो और नई सड़क लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहे।

न्यूज डायरी

पठानिया पब्लिक स्कूल का नाइट मार्च छात्रों के लिए बना अविस्मरणीय अनुभव

रोहतक। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, साहस और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने के लिए पठानिया पब्लिक स्कूल में एक भव्य नाइट मार्च एवं रात्रि-भ्रमण का आयोजन किया गया। इस रोमांचक कार्यक्रम में कक्षा छठी से बारहवीं तक के लगभग 550 विद्यार्थियों ने पूरे अनुशासन और टीमवर्क के साथ भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत पासिंग द बॉल, रस्साकशी और फुटबॉल जैसे मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं से हुई, जिसने पूरे परिसर को ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायन, नृत्य और लघु नाटिकाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।रात्रि-भोज के उपरांत, विद्यार्थियों ने टॉर्च की रोशनी में करीब 5 किलोमीटर लंबा नाइट मार्च सफलतापूर्वक पूरा किया। स्कूल निदेशक श्री अंशुल पठानिया ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे आयोजन कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। इस अवसर पर स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया और प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

इनर व्हील क्लब रोहतक सिटी का इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न, पर्यावरण के लिए बढ़ाए कदम

रोहतक। इनर व्हील क्लब रोहतक सिटी की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का इंस्टॉलेशन समारोह गरिमामय माहौल में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। चार्टर प्रेसिडेंट डॉ. सोनिया अरोड़ा और वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में नई टीम को इनर व्हील की पिन लगाकर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में क्लब ने सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा क्षेत्र में विशेष पहल की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. नीलम सचदेवा ने प्लास्टिक मुक्त अभियान का संदेश देते हुए सभी सदस्यों को इनर व्हील के लोगो वाली स्टील की बोतलें भेंट कीं। वहीं, शिक्षा सेवा परियोजना के तहत क्लब सदस्य सुषमा बत्रा ने दो जरूरतमंद विद्यार्थियों को 11,000-11,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। वर्ष 2026-27 के लिए गठित नई कार्यकारिणी में डॉ. नीलम सचदेवा को अध्यक्ष, डॉ. मंजू बधवार को उपाध्यक्ष, बीनू को सचिव, अंजना गुप्ता को कोषाध्यक्ष, रीना महेंद्रू को आईएसओ और रम्मी आहूजा को संपादक नियुक्त किया गया है। अंत में सभी पदाधिकारियों ने सेवा भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

मॉडल स्कूल : ग्रीष्मावकाश प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में सजे विज्ञान और कला के अनूठे मॉडल

रोहतक। स्थानीय आंबेडकर चौक स्थित मॉडल स्कूल में एक भव्य ग्रीष्मकालीन प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान बेहद लगन और मेहनत से तैयार किए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स, कार्यशील मॉडल और कलात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का गरिमामयी उद्घाटन मॉडल स्कूल के ही पूर्व विद्यार्थी एवं प्रसिद्ध त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण गुलाटी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों के हुनर की जमकर सराहना की। इस दौरान स्कूल में अध्यापक-अभिभावक बैठक का भी आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अभिभावकों ने बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी ली, जिसका विद्यार्थियों ने बेहद कुशलता और आत्मविश्वास के साथ विश्लेषण किया। इस मौके पर अध्यापकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का जोश और उत्साह देखते ही बनता था।स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने विद्यार्थियों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि बच्चों ने विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत जैसे तमाम विषयों में बेहतरीन परियोजनाओं पर काम किया है। आज अपनी इन कृतियों को प्रदर्शित कर वे अपने हुनर और ज्ञान का लोहा मनवा रहे हैं।

द आर्यन ग्लोबल में पर्यावरण संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने लिया पौधे लगाने का संकल्प

रोहतक। वन महोत्सव सप्ताह (1 जुलाई से 7 जुलाई) के उपलक्ष्य में सूर्य ग्रुप ऑफ एजुकेशन (एनजीओ) द्वारा द आर्यन ग्लोबल स्कूल में एक दिवसीय निःशुल्क पर्यावरण सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को वृक्षों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। संगोष्ठी में पहुंचे पर्यावरण विशेषज्ञों और समाजसेवियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का असली आधार हैं। वे हमें न केवल शुद्ध वायु और स्वच्छ जल देते हैं, बल्कि प्राकृतिक संतुलन भी बनाए रखते हैं। वर्तमान में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से अवगत कराया गया और पौधों की नियमित देखभाल करने का संदेश दिया गया। अंत में, स्कूल के प्रधानाचार्य श्री आर के खन्ना ने सूर्य ग्रुप के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सभी विद्यार्थियों ने वन महोत्सव के तहत कम से कम एक पौधा लगाने और धरा को हरित बनाने की शपथ ली।

जन सेवा संस्थान के नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 285 मरीजों की जांच

रोहतक। जन सेवा संस्थान, रोहतक की ओर से भिवानी रोड स्थित वृद्ध आश्रम में संस्थान के अध्यक्ष महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज के सानिध्य में निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नीरज दुआ ने 285 नेत्र रोगियों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। जांच के दौरान 40 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इन सभी मरीजों का ऑपरेशन भिवानी स्थित जालान अस्पताल में पूरी तरह निशुल्क कराया जाएगा। मरीजों को परिवहन, भोजन, दवाइयां, ऑपरेशन में उपयोग होने वाला सामान, लेंस तथा चश्मा भी निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर पवन जिंदल, मास्टर होशियार सिंह, पी. वर्मा, डॉ. लक्की मदान सहित संस्थान के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक देश में दो विधान नहीं चलेंगे के उद्घोष के साथ गूंजा मंगल कमल

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई ने शनिवार को 'मंगल कमल' कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण पखवाड़ा के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर राष्ट्रवाद, अखंड भारत और सांस्कृतिक एकता के संकल्प को दोहराया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप जैन ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक है और उनके विचार आज भी देश को नई दिशा दे रहे हैं। प्रदीप जैन ने कहा कि डॉ. मुखर्जी सिद्धांतों के पक्के नेता थे, जिन्होंने राष्ट्रहित से कभी समझौता नहीं किया। सम्मेलन में पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, कृष्ण मूर्ति हुड्डा, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, शमशेर सिंह खरक, राजकुमार शर्मा, सरिता नारायण सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि महज 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनने वाले डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा, उद्योग और राजनीति तीनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया।

बारिश हुई तो बिगड़ सकते हैं हालात कई कॉलोनियों में भर सकता है पानी

रोहतक। मानसून की दस्तक के बीच शहर में नालों की सफाई को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। पुराना शहर पहले से ही नीचा होने के कारण हर वर्ष बारिश के दौरान सबसे अधिक जलभराव की समस्या झेलता है। इसे लेकर वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल ने नगर निगम और जनस्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि जिन स्थानों पर तत्काल दोनों ओर के नालों की सफाई कराई जानी आवश्यक है, उनमें गोहाना अड्डा से सुखपुर चौक, गोहाना अड्डा से सुभाष रोड होते हुए आंबेडकर चौक, गोहाना अड्डा से राहड़ रोड होते हुए प्रेम नगर चौक, गोहाना अड्डा से सिविल रोड होते हुए छोटूराम चौक, गोहाना अड्डा (लाजपत राय चौक) से सदानंद चौक, किला रोड मुख्य बाजार, किला रोड से शांतमई चौक, शांतमई चौक से आउटर किला रोड होते हुए गोहाना अड्डा, शांतमई चौक से पालिका बाजार होते हुए छोटूराम चौक तथा गोहाना अड्डा से पाड़ा मोहल्ला, तेज कॉलोनी होते हुए माता दरवाजा तक के दोनों ओर के नाले शामिल हैं। यदि सफाई नहीं हुई तो यहां बारिश में हालात बिगड़ सकते हैं।

विकलांग अधिकार मंच का 24 जुलाई को जिला स्तरीय सम्मेलन विभिन्न मांगों पर होगी चर्चा

रोहतक। विकलांग अधिकार मंच की बैठक जसबीर सिंह स्मारक भवन में मंच के अध्यक्ष पंकज दुआ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनकी विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिव्यांगजनों की प्रमुख मांगों को लेकर 24 जुलाई को मानसरोवर पार्क, रोहतक में जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन विकलांग अधिकार मंच के राज्य सचिव ऋषिकेश राजली करेंगे, जिलेभर से बड़ी संख्या में दिव्यांगजन इसमें भाग लेंगे। बैठक में दिव्यांगों के लिए मासिक पेंशन 10 हजार रुपये करने, बेरोजगार दिव्यांगों को स्वरोजगार शुरू करने के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने, दिव्यांग अधिकार अधिनियम-2016 को प्रभावी ढंग से लागू करने, सभी सार्वजनिक स्थानों पर रैंप सहित आवश्यक सुविधाएं विकसित करने तथा दिव्यांगों के लिए आरक्षित सरकारी पदों को शीघ्र भरने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। मंच के अध्यक्ष पंकज दुआ ने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से सरकार और प्रशासन के समक्ष दिव्यांगजनों की समस्याओं और मांगों को मजबूती से रखा जाएगा।

परिवर्तन शिक्षा सेवा ट्रस्ट ने शुरू किया 'मेरा परिवार-परिवर्तन परिवार' सदस्यता अभियान

रोहतक। परिवर्तन शिक्षा सेवा ट्रस्ट की मासिक बैठक शनिवार को एकता कॉलोनी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैया राठौर ने की। बैठक को संबोधित करते हुए कन्हैया राठौर ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता ट्रस्ट का मूल मंत्र है। ट्रस्ट वर्तमान में करीब 150 जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा एवं शिक्षण सामग्री उपलब्ध करा रहा है। ट्रस्ट से जुड़े चार विद्यार्थियों शाहिद, सन्नी, निशु और शालू ने हाल ही में दसवीं की परीक्षा में मेरिट हासिल कर अपने माता-पिता और ट्रस्ट का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर चारों विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संदीप कांगड़ा, सतीश कुमार, तिलक, पवन, सीमा, कोमल, नेहा, राखी, सुनैना, हेमा, रितिका सहित ट्रस्ट के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के सभी मतदाता 14 तक भरें एन्यूमरेशन फॉर्म : डीसी

रोहतक। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन गुप्ता ने जिला के सभी पात्र मतदाताओं का आह्वान करते हुए कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत एन्यूमरेशन फॉर्म भरना प्रत्येक मतदाता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। इसलिए सभी मतदाता समय रहते अपना फॉर्म भरकर जमा करें ताकि उनका नाम मतदाता सूची में सही एवं अपडेट बना रहे। सचिन गुप्ता ने कहा कि समय पर एन्यूमरेशन फॉर्म भरें, अपने मताधिकार को सुरक्षित रखें और मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

बैठक पुराने वाहनों को स्क्रैप कर आधुनिक वाहनों की ओर कदम बढ़ाएं

पुराने व्यावसायिक वाहनों की स्क्रैपेज नीति पर आईएमटी में बैठक, ट्रांसपोर्टरों को बताए गए लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला परिवहन विभाग की ओर से शनिवार को आईएमटी परिसर में केंद्र सरकार की वाहन स्क्रैपेज नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी एवं सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने ट्रांसपोर्टरों, बस एवं ट्रक संचालकों तथा वाहन मालिकों को स्क्रैपेज नीति के प्रावधानों और इससे मिलने वाले लाभों की विस्तार से जानकारी दी। परिवहन निरीक्षक जसबीर सिंह ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य पुराने एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से सड़कों से हटाकर आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बीएस-6 तथा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पंजीकृत बीएस-1, बीएस-2, बीएस-3 और बीएस-4 श्रेणी के पुराने व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष स्क्रैपेज योजना लागू की गई है। योजना के तहत एनसीआर में पंजीकृत बीएस-4 अथवा उससे पुराने व्यावसायिक वाहनों के मालिक अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्रों पर अपने वाहन जमा कर विभिन्न सरकारी रियायतों का लाभ उठा सकते हैं। अधिकारियों ने वाहन मालिकों से अपील की कि वे समय रहते इस योजना का लाभ उठाएं और पुराने वाहनों को स्क्रैप कर आधुनिक वाहनों की ओर कदम बढ़ाएं।

रोहतक। परिवहन निरीक्षक जसबीर सिंह ट्रक यूनियन के सदस्यों को जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

ईंधन की बचत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि यह योजना पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा और ईंधन की बचत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे प्रदूषण कम होगा और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सभी ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों से सरकार की इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। बैठक में आईएमटी ट्रक यूनियन के प्रधान जितेंद्र सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर, ट्रक एवं बस संचालक तथा अन्य वाहन चालक उपस्थित रहे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
MRI/CT TECHNICIAN 4
COMPUTER OPERATOR 2
PRO 2
NURSING STAFF 4
WARD BOY 2
GATE KEEPER 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

रंजिश में युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, 3 पर केस दर्ज

रोहतक। लाखन माजरा थाना पुलिस ने गांव खरेंटी निवासी प्रदीप पुत्र राम मेहर की शिकायत पर गांव के मनोज पुत्र फतेह सिंह, उसके बेटे तथा संदीप पुत्र फतेह सिंह के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमला, जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में प्रदीप ने बताया कि उसके बड़े भाई जय भगवान के साथ अप्रैल माह में मनोज ने शराब के नशे में गाली-गलौज की थी।

अवैध पिस्तौल सहित युवक गिरफ्तार, भेजा जेल

रोहतक। सांपला थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में गौरव मलखान पुत्र मलखान निवासी प्रकाश नगर, मझोला, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

बुजुर्ग से ठगी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

रोहतक। शहर थाना पुलिस ने महावीर कॉलोनी निवासी प्यारेलाल पुत्र जंगी राम की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में प्यारेलाल ने बताया कि 3 जुलाई को उन्होंने बैंक से 30 हजार रुपये निकाले थे। इनमें से 3 हजार रुपये दूसरे बैंक खाते में जमा करवा दिए, जबकि शेष 27 हजार रुपये बैग में रखकर पैदल घर लौट रहे थे। सुबह करीब 11:30 बजे सैनी धर्मशाला के पास एक अज्ञात युवक ने उन्हें रोककर कहा, मैं आपको मिठाई खिलाऊंगा। इसके बाद वह उन्हें बहला-फुसलाकर सैनी धर्मशाला की गली में ले गया।

एचटेट

18 केंद्रों पर पुलिस बल की भारी तैनाती के बीच हुआ एग्जाम

4,797 ने दी पीजीटी की परीक्षा, 891 रहे अनुपस्थित

बायोमेट्रिक सत्यापन और सीसीटीवी निगरानी के बीच अभ्यर्थियों ने दिया पेपर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट) लेवल-3 (पीजीटी) का पेपर शनिवार को जिला प्रशासन के पुख्ता इंतजामों और कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। रोहतक जिले में लेवल-3 की परीक्षा के लिए कुल 5,688 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 4,797 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि सांयकालीन सत्र (दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक) में आयोजित इस परीक्षा से 891 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

1. महिला अभ्यर्थियों के आभूषण भी उतरवाए गए, उड़नदस्तों ने केंद्रों का किया निरीक्षण
2. आज 10,782 अभ्यर्थी आजमाएंगे किस्मत, प्रशासन ने किए पूरे इंतजाम

सुरक्षा रही चाक-चौबंद, चेकिंग के बाद मिली एंट्री

परीक्षा को पूरी तरह नकलमुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। जिले के सभी 18 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की भारी तैनाती रही और अभ्यर्थियों को सघन चेकिंग के बाद ही एंट्री दी गई। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को दोपहर 1:30 बजे से ही प्रवेश देना शुरू कर दिया गया था। मुख्य गेट पर मेटल डिटेक्टर से गहन जांच के साथ-साथ बायोमेट्रिक हाजिरी और दस्तावेजों का बारीकी से मिलान किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर रही रोक

कड़े नियमों के तहत परीक्षा केंद्रों के भीतर मोबाइल, घड़ी, कैलकुलेटर या किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहा। चेकिंग के दौरान महिला अभ्यर्थियों के आभूषण भी उतरवाए गए। नकल रोकने के लिए हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। परीक्षा के दौरान जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों और बोर्ड के विशेष उड़नदस्तों (फ्लाइंग स्क्वाड) ने सभी 18 केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया। राहत की बात यह रही कि परीक्षा संपन्न होने तक किसी भी केंद्र से किसी प्रकार की अव्यवस्था या गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं मिली। वहीं, अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए हरियाणा रोडवेज की ओर से बसों की विशेष सुविधा भी प्रदान की गई।

आज होगी लेवल 1 और 2 की परीक्षा

शनिवार को लेवल-3 की परीक्षा सफल होने के बाद अब रविवार को लेवल 1 और 2 की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए रोहतक में कुल 27 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां दोनों लेवल के कुल 10,782 परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, प्रातःकालीन सत्र में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा होगी। इसके बाद सांयकालीन सत्र में दोपहर बाद 3:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक लेवल-1 (पीआरटी) का पेपर आयोजित किया जाएगा। प्रशासन ने रविवार की परीक्षा को लेकर भी सुरक्षा व्यवस्था और चेकिंग के इंतजाम पूरी तरह टाइट रखे हैं।

जानें विद्यार्थियों की राय

सामान्य था पेपर

पीजीटी रसायन विज्ञान का पेपर था। पेपर सामान्य आया हुआ था। रसायन विज्ञान तो दसवीं के स्तर की दी हुई थी। पेपर में पास हो जाउंगी। -प्रीति

सुविधाएं व सुरक्षा अच्छी थी

पीजीटी कॉमर्स का पेपर था। पेपर अच्छा आया हुआ था। सुविधाएं और सिक्योरिटी बहुत अच्छी थी। पेपर अच्छा हुआ है। -हरीता

हिंदी-अंग्रेजी थी थोडी मुश्किल

पीजीटी कॉमर्स का पेपर था। हिंदी व अंग्रेजी थोडी मुश्किल थी, लेकिन पेपर अच्छा हुआ है। पेपर में पास हो जाउंगी। -सीमा

रसासन विज्ञान रहा आसान

पीजीटी रसायन विज्ञान का पेपर था। पेपर एनसीआरटी से आया हुआ था। पेपर आसान था और रसायन विज्ञान बिल्कुल आसान आई हुई थी। व्यवस्था भी अच्छी थी। -रवि कुमार

बेखौफ बदमाश : काली कमली चौक पर दफ्तर पहुंचकर चला दी गोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

काली कमली मंदिर चौक पर दिनदहाड़े जानलेवा हमले के बाद भी बदमाशों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। वारदात को अंजाम देने के तुरंत बाद चारों आरोपी सीधे कलानौर बाईपास स्थित एक कार्यालय पर पहुंच गए। वहां उनका निशाना मोहित का भतीजा था, लेकिन जब वह नहीं मिला तो बदमाशों ने दहशत फैलाने के इरादे से कार्यालय पर फायरिंग कर दी। गोली कार्यालय में लगे एसी में जा धंसी, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, काली कमली मंदिर चौक पर हमला करने के बाद आरोपी मोहित के चचेरे भाई रविंद्र के किराये के कार्यालय पहुंचे। उस समय कार्यालय में कुछ युवक बैठे हुए थे।

रोहतक। मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम।

आरोपियों ने वहां मौजूद लोगों से मोहित के भतीजे अमन के बारे में पूछताछ की। जब उन्हें पता चला कि अमन वहां मौजूद नहीं है तो उन्होंने गुस्से में कार्यालय की ओर फायरिंग कर दी। रविंद्र ने बताया कि बदमाशों द्वारा चलाई गई गोली सीधे कार्यालय में लगे एसी में जाकर लगी, जिससे एसी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

एफएसएल ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बाद में एफएसएल टीम ने मौके का निरीक्षण कर गोली के निशान सहित अन्य साक्ष्य जुटाए। अधिकारियों का कहना है कि दोनों वारदातों की कड़ियां खंगाली जा रही हैं और आरोपियों की गतिविधियों का पूरा घटनाक्रम तैयार किया जा रहा है।

मेरा शहर मेरी समस्या दुर्गा कॉलोनी

हर बारिश में डूब जाती हैं गलियां

10 वर्ष पहले बनी सड़कों का दोबारा नहीं हुआ निर्माण, बच्चों-बुजुर्गों की बढ़ी मुश्किलें

उखड़ी सड़कें, भरा पानी, हादसों का डर..

अभिभावक बोले- छोटे बच्चों में गंदे पानी से संक्रमण फैलने का भी खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की दुर्गा कॉलोनी में करीब दस वर्ष पहले बनी गलियां अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। जगह-जगह सड़कें उखड़ने और जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हल्की बारिश में भी गलियों में पानी भर जाता है। बारिश का पानी कई दिनों तक जमा रहने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष भी इस समस्या को लेकर नगर निगम को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।

कॉलोनी में रहने वाले अजीत, सुरेश, अक्षित, महिपाल समेत अन्य लोगों का कहना है कि कॉलोनी की अधिकांश गलियों में सड़क का स्तर नीचे हो चुका है और नालियों की सफाई व निकासी व्यवस्था भी प्रभावी नहीं है। नतीजतन बारिश का पानी गलियों में ही जमा रहता है। इससे पैदल चलने वाले लोगों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक दिक्कत होती है। कई स्थानों पर पानी जमा रहने से सड़क पर बने गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। स्कूल खुलने के बाद यह समस्या और गंभीर हो गई है। सुबह बच्चों को स्कूल जाने और दोपहर में लौटने के दौरान पानी से भरी गलियों से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार तेज रफ्तार से गुजरने वाले वाहन पानी के छींटे बच्चों पर उछाल देते हैं, जिससे उनकी यूनिफॉर्म खराब हो जाती है। अभिभावकों का कहना है कि कई बार बच्चों को कपड़े बदलकर दोबारा स्कूल भेजना पड़ता है, जबकि छोटे बच्चों में गंदे पानी से संक्रमण फैलने का भी खतरा बना रहता है।

नगर निगम करे समाधान तो लोगों को मिलेगी राहत

नगर निगम को केवल अस्थायी मरम्मत करने के बजाय पूरी कॉलोनी की जर्जर गलियों का पुनर्निर्माण कराना चाहिए। साथ ही वर्षा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था भी बनाई जानी चाहिए, ताकि हर बारिश में लोगों को एक जैसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

पिछले साल दी शिकायत आज तक समाधान नहीं

पिछले साल भी हमने नगर निगम को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। हल्की बारिश में ही पूरी गली तालाब बन जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और बच्चों को होती है। -जोगेंद

बच्चे पानी से भरी गलियों से होकर गुजर रहे

स्कूल खुल चुके हैं। रोज सुबह बच्चों को पानी भरी गलियों से होकर जाना पड़ता है। कई बार तेज रफ्तार वाहन पानी के छींटे मार देते हैं, जिससे बच्चों की यूनिफॉर्म खराब हो जाती है। प्रशासन को इस समस्या पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। -रमेश

सड़क के साथ पानी निकासी भी समस्या

समस्या केवल सड़क की नहीं, बल्कि पानी निकासी की भी है। जब तक नई गलियों के साथ बेहतर ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया जाएगा, तब तक हर बारिश में यही स्थिति बनी रहेगी। नगर निगम को पूरे क्षेत्र का सर्वे कराकर जल्द निर्माण कार्य शुरू करना चाहिए। -प्रवीन

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप्प। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

छात्रा से स्कूल छत पर अश्लील हरकत करता मिला चपरासी

शिकायत पहुंची शिक्षा विभाग, जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सरकारी स्कूल, जहां बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी जिम्मेदारी मानी जाती है, वहीं एक शिकायत ने पूरे शिक्षा विभाग को सतर्क कर दिया है। गांव ब्राह्मणवास के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक छात्रा के साथ कथित छेड़छाड़ के आरोप सामने आने के बाद मामला जिला शिक्षा अधिकारी तक पहुंच गया है। शिकायत के आधार पर विभाग ने तत्काल जांच शुरू कर दी है और स्कूल प्रबंधन से पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट व साक्ष्य तलब किए हैं। जानकारी के अनुसार स्कूल इंचार्ज राजरानी ने जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि स्कूल का एक चपरासी छात्रा को स्कूल की छत पर ले गया था। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि छात्रा से घटना के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। घटना के बाद ब्राह्मणवास और खिड़वाली गांव के लोगों की पंचायत सदर थाना पहुंची, जहां दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की बात सामने आई। पुलिस के अनुसार छात्रा या उसके परिजनों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि स्कूल इंचार्ज की शिकायत के आधार पर मामले की जानकारी संबंधित विभागों को भेजी गई है।

रात को सोए, सुबह खुली अलमारी तो लाखों के गहने व नकदी मिली गायब

रोहतक। बाजार से खरीदारी कर पति-पत्नी रात को निश्चिंत होकर सो गए, लेकिन सुबह जब नींद खुली तो घर की अलमारी खुली मिली और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर, नकदी व जरूरी दस्तावेज गायब थे। चोरी की इस वारदात से परिवार के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस, फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में खरैंटी निवासी एवं वर्तमान में राजीव कॉलोनी स्थित एक्स. सीएम फार्म हाउस रोड पर रहने वाले संतलाल ने बताया कि वह ईंट सप्लाई का काम करता है। 3 जुलाई की शाम करीब चार बजे वह अपनी पत्नी सोनिया के साथ घर का सामान लेने बाजार गया था। शाम करीब सात बजे दोनों घर लौटे, खाना खाने के बाद सो गए। अगली सुबह उठने पर देखा कि घर में रखी गोदरेज की अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर सोने की ताबीजी, बच्चे का चांद, कंठी, ढोल, मंगलसूत्र, पेंडल, तीन लड़ी की चेन, चांदी की तागड़ी, दो जोड़ी पाजेब, करीब 60 से 70 हजार रुपये की नकदी तथा पर्स चोरी कर ले गए। पर्स में एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और 5 से 6 हजार रुपये भी रखे हुए थे। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी सुखपुरा की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित कर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट व डॉग स्क्वायड को बुलाया। दोनों टीमों ने मौके का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

सुपर सकर मशीनों एवं उन्नत मशीनरी से युद्धस्तर पर काम

सीवर व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए डी-सिल्टिंग अभियान जारी : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा है कि शहर की सीवर व्यवस्था को सुचारू एवं प्रभावी बनाए रखने तथा जलभराव, सीवर जाम और ओवरफ्लो जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष डी-सिल्टिंग (गाद निकासी) अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आधुनिक सुपर सकर मशीनों एवं अन्य उन्नत मशीनरी की सहायता से शहर की मुख्य एवं आंतरिक सीवर लाइनों की सफाई का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। सचिन गुप्ता ने बताया कि नागरिकों को बेहतर सीवर सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े व्यास की सीवर लाइनों की डी-सिल्टिंग एवं सफाई का कार्य निरंतर जारी है, सीवर जाम और जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

विभिन्न स्थानों पर करवाई जा रही सफाई

वर्तमान अभियान के अंतर्गत शास्त्री नगर वार्ड नंबर-1 में लगभग 400 मिमी व्यास की सीवर लाइन, डीएलएफ की 900 मिमी मुख्य सीवर लाइन, रेलवे स्टेशन से कच्चा बेरी रोड तक 900 मिमी सीवर लाइन, राजीव गांधी स्टेडियम के सामने 600 मिमी सीवर लाइन, सुभाष नगर क्षेत्र की 900 मिमी सीवर लाइन तथा झज्जर मोड़ से काठ मंडी फ्लाईओवर तक 1600 मिमी स्टॉर्म वाटर लाइन की सुपर सकर मशीनों द्वारा डी-सिल्टिंग एवं सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि इसके अतिरिक्त आवश्यकता के अनुसार शहर के अन्य क्षेत्रों में भी सीवर एवं मैनहोल सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत शास्त्री नगर बैक साइड, सैनिक कॉलोनी से वेश ऑटोमेटिक सूट तक, शिव नगर गली नंबर-1, शौरी मार्केट क्षेत्र, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड, शिवाजी कॉलोनी, देव कॉलोनी तथा इंदिरा एवं नेहरू कॉलोनियों में ग़ैब मशीनों एवं अन्य आधुनिक उपकरणों की सहायता से मैनहोल एवं सीवर लाइनों की सफाई कराई जा रही है।

24 घंटे में खुली ऑफिस चोरी की गुत्थी दो आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। बाबा बालकचंद चौक स्थित एक कार्यालय में हुई चोरी की वारदात का रोहतक पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए दोनों मोबाइल फोन और 15 हजार रुपये नकद बरामद कर लिए हैं। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रवक्ता मनीष ने बताया कि सुनारिया कलां निवासी प्रवेश की शिकायत पर थाना शिवाजी कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, 2 जुलाई को उनके कार्यालय से दो मोबाइल फोन और 15 हजार रुपये नकद चोरी हो गए थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की जांच मुख्य सिपाही मनोज को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल साक्ष्य जुटाए और संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी।

इंडस पब्लिक स्कूल में हुई स्पर्धा

हिंदी रचनात्मक प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार 4 जुलाई को कक्षा तीसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी रचनात्मक प्रतियोगिता के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने विचारात्मक, प्रेरणादायक, देशभक्ति, संस्कृति, सामाजिक तथा समसामयिक विषयों पर प्रभावशाली लेखन प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में पठन-पाठन के प्रति रुचि, साहित्यिक अभिरुचि, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल के विकास का उत्कृष्ट माध्यम हैं। उन्होंने सभी छात्रों से ऐसी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने कहा कि रचनात्मक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की सृजनात्मक सोच, भाषायी दक्षता और अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐसे आयोजन छात्रों को अपनी लेखन प्रतिभा को प्रभावी और सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से

भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

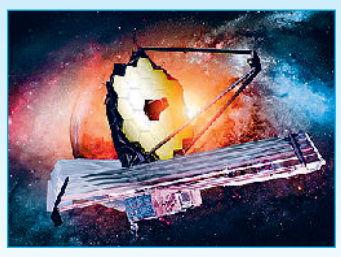

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

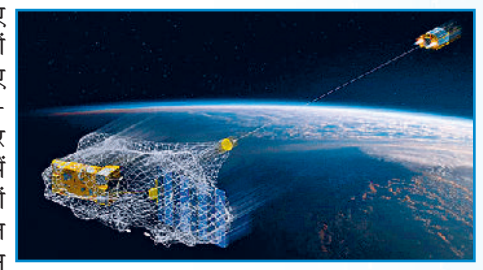

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो

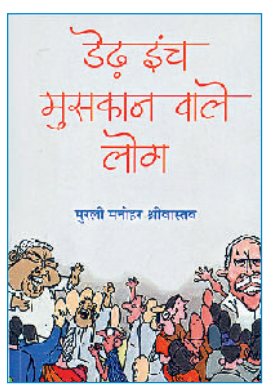

कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

सीजनल टूरिज्म / समीर चौधरी

हर नेचर लवर टूरिस्ट, मानसून में भीगी हरी-भरी पहाड़ी वादियों को करीब से निहारना चाहता है। हालांकि आमतौर पर इस सीजन को ट्रैकिंग के लिए सुटेबल नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ ऑफबीट-सुरक्षित हिमालयी ट्रैकिंग स्पॉट्स पर जाकर आप अपनी इस चाहत को पूरा कर सकते हैं। ऐसे ही कुछ बेमिसाल ट्रैकिंग स्पॉट्स पर एक नजर।

मानसून में करिए फुल एंज्वॉय ये हिमालयन ट्रैकिंग स्पॉट्स

अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट परांग ला ट्रैक, हिमाचल प्रदेश

परांग ला ट्रैक (18,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित) अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट माना जाता है, क्योंकि लद्दाख व स्पीति को जोड़ने वाला इसका पथरीला, तीखी ढलान वाला रूट थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप इस ट्रैक पर शुरुआत लेह के करजोक गांव से या स्पीति के चिचम/किब्बर गांव से कर सकते हैं। कठिन रास्तों के बावजूद आपको जादुई नजारे देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप खिले हुए जंगली फूल, गहरी नीली त्सो मोरिरी झील के अलावा किआंग या तिब्बती जंगली गधों के झुंडों को भी कूदते-दौड़ते हुए देख सकते हैं। इसे विजिट करने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से सितंबर की शुरुआत तक होता है। *

मोहक नजारा दिखाए मरखा घाटी, लद्दाख

जुलाई और सितंबर के मध्य में मरखा घाटी (17,060 फीट की ऊंचाई पर स्थित) की दूधिया सफेद नदियां, सुंदर लैंडस्केप और विशाल पहाड़ों की पृष्ठभूमि में हरी-भरी वादियां मन मोह लेती हैं। यहां से कांग यत्से पहाड़ का दिलकश नजारा भी दिखता है। यह ट्रैक लेह से आरंभ होता है और फिर जब आप ऊपर की तरफ बढ़ते हैं तो हेमिस नेशनल पार्क, सुदूर गांवों और आध्यात्मिक ताचा मठ से होते हुए यह सफर यादगार बनता चला जाता है। यहां ट्रैकिंग करते हुए आपको हिमालयन ब्लू शीप, हिमालयन ग्रिफ्फोन, स्नो लेपर्ड और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का दीदार करने का अवसर भी मिलता है। *

हिडन डायमंड दरमा घाटी ट्रैक, उत्तराखंड

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित दरमा घाटी ट्रैक (14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित) एक छुपा हुआ हीरा कहा जाता है, जो आपको आकर्षक गांवों, घने जंगलों, रोलिंग घास के मैदानों और ग्लेशियर से पोषित धाराओं से रूबरू कराता है। इन सबकी पृष्ठभूमि में होती हैं हिमालय की विशाल ऊंची चोटियां। जब मानसूनी बारिश इस लैंडस्केप को भिगो देती है, तो यह वादी हरियाली और जंगली फूलों की सुगंध से भर जाती है। रास्ते में आपको बर्फ से ढंके पहाड़ मिलेंगे। आप इस दौरान स्थानीय समुदायों की विशिष्ट संस्कृति और मेजबानी का भी आनंद ले सकते हैं। जून से सितंबर इस ट्रैक पर जाने के लिए सबसे अच्छा समय है। *

हसीन वादियों से समृद्ध पिन घाटी, हिमाचल प्रदेश

मानसून में ट्रैकिंग के लिए एक अन्य बेहतरीन ट्रैकिंग स्पॉट पिन घाटी (15,780 फीट की ऊंचाई पर स्थित) है। यहां हरे-भरे जंगलों, विशाल घास के मैदानों, पथरीले रास्तों, बर्फ से ढंके मैदानों और ठंडे रेगिस्तानों का फोटो-फ्रेंडली नजारा देखने को मिलता है। यह ट्रैकिंग मुध नामक गांव से आरंभ होती है। पूरी तरह बर्फ सं ढंकी झोपड़ियों की पृष्ठभूमि में मटर और जौ के खेत और तेज हवाओं के साथ झूमते पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रैकिंग के दौरान आप प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों के लिए विख्यात खीरगंगा पर रुक सकते हैं। पिन नेशनल पार्क के साथ गेचांग, का और थंगो जैसे स्थान देखना न भूलें। यहां जाने के लिए सबसे अच्छा समय जुलाई से मध्य सितंबर तक माना जाता है। *

वन्य-जीवन से दीदार कराता तोसामैदान ट्रैक, कश्मीर

इस मौसम में ट्रैकिंग की सोच रहे हैं तो तोसामैदान ट्रैक (12,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित) आपकी बकट लिस्ट में अवश्य होना चाहिए। कश्मीर के गुलमर्ग में स्थित यह ट्रैक विशाल पीर पंजाल रेंज, अल्पाइन घास के मैदान, शंकुधारी और चीड़ के जंगलों, चमचमाती झीलों और बर्फ से ढंके पहाड़ों से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर ट्रैकिंग के दौरान विभिन्न हिमालयी वन्य जीवों जैसे कस्तूरी हिरण, लेपर्ड और विभिन्न प्रजातियों की मुर्गियां आदि को देखने का मौका आपको मिलेगा। यहां ट्रैकिंग करने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर तक का होता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार

किसी भी प्रोफेशन में ग्रो करने के लिए लगातार सीखना और खुद को बेहतर बनाने की क्षमता का होना जरूरी है। ऐसा तभी हो सकता है, जब आपको अपनी कमियां पता हों। कमियां पता लगाने के लिए बॉस ही नहीं कुलीग्स, सीनियर्स का फीडबैक भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

करियर ग्रोथ के लिए इंपॉर्टेंट है फीडबैक

आज के दौर में प्रोफेशनल दुनिया में कामयाबी के लिए सिर्फ मेहनत करना ही काफी नहीं है। कंपनियां अब अपने स्टाफ में ऐसे लोगों को चाहती हैं, जो हर समय सीखने को तैयार रहें। जो अपनी कमियों को पहचान सकें और किसी के द्वारा बताए जाने पर उसमें जरूरी सुधार करें। यही कारण है कि फीडबैक आज करियर ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है। वास्तव में फीडबैक एक ऐसा आईना है, जिसमें हम अपनी प्रोफेशनल इमेज बहुत अच्छी तरह से देख सकते हैं। जो लोग इस आईने से डरते नहीं, वे लोग सचमुच इससे बहुत कुछ सीखते हैं।

क्या है फीडबैकः फीडबैक का मतलब केवल आपकी गलती बताया जाना नहीं होता। यह आपके प्रोफेशनल बिहेवियर, काम की प्रस्तुति और क्षमता का किया गया मूल्यांकन होता है, जिसमें सुझाव भी शामिल होता है। इसे अगर आप सकारात्मक तरीके से लेते हैं तो यह आपको बेहतर बनाने में मदद करता है और अगर आप इसे अपनी व्यक्तिगत अलोचना के तौर पर लेते हैं, तो इससे आपको नुकसान हो सकता है।

जरूरी है फीडबैकः डेढ़-दो दशक पहले नौकरियां आज के मुकाबले अपेक्षाकृत स्थिर हुआ करती थीं। लोग बीस-बीस, तीस-तीस साल तक एक ही कंपनी में गुजार देते थे। आज के समय में कंपनियां जरूरी नहीं है कि अगर किसी को अपने यहां रख लें तो उसे सालों-साल ढोती ही रहें। हां, आज भी दस पर्सेंट ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो कई साल एक ही कंपनी में गुजार देते हैं। सवाल है, ऐसे थोड़े लोगों में क्या खूबी होती है कि आज भी कंपनियां इन थोड़े से लोगों को अपने साथ लंबे समय तक बनाए रखना चाहती हैं? दरअसल, आज कंपनियां उन्हीं कर्मचारियों को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रखने में तरजीह देती हैं, जो अपनी प्रोफेशनल स्किल को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश में रहते हैं और जब भी उन्हें कुछ सीखने का मौका मिलता है, जल्द से जल्द सीखने की कोशिश करते हैं। जो अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं, समय और परिस्थितियों के मुताबिक काम के तौर-तरीके में जरूरी बदलाव करते हैं और टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखते हैं। वास्तव में ये क्वालिटीज फीडबैक के बेहतर उपयोग के नतीजे के रूप में सामने आती हैं।

फीडबैक बदलता है दिशाः कई बार लोगों को खुद अपनी कमजोरियों का अंदाजा नहीं हो पाता। ऐसे में अगर आप स्वयं को मिले फीडबैक के बाद अपने काम की गुणवत्ता के बारे में जरूरी समझकर, अपनी कमी को सुधारने की कोशिश करते हैं, तो यह कोशिश आपके लिए न केवल प्रमोशन बल्कि आगे चलकर टीम लीड करने की राह भी खोलेगी। यहां सीनियर्स को फीडबैक देने के तरीके के बारे में भी समझना जरूरी है। अकसर सीनियर्स गलत तरीके से या गुस्से में फीडबैक देते हैं। मसलन, किसी के काम में उन्हें कोई कमी नजर आती है, तो वह छूटते ही कह देते हैं, 'तुम हमेशा ही गलत काम करते हो।' इससे आपका कुलीग असहज हो जाता है। होना यह चाहिए कि किसी कुलीग या जूनियर को फीडबैक दें तो उसमें केवल कमी निकालने की बजाय उसके काम को और बेहतर बनाने के सुझाव पर फोकस होना चाहिए।

फीडबैक लेने का सही तरीकाः फीडबैक देने के सही तरीके की तरह ही इसे लेने का तरीका भी सही होना चाहिए। सही तरीका यह है कि हम अपने काम में खामी निकालने वाले व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें, उसे बीच में कतई न टोकें। आप अपने लिए दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव को लिख लें, ताकि बाद में जब अकेले में हों, तो उसे और बेहतर तरीके से समझ सकें। कोई भी फीडबैक मिलने पर आप सवाल पूछ सकते हैं, लेकिन यह सवाल रिएक्शन या ऑब्जेक्शन न लगे बल्कि आपको दी जा रही सलाह को और स्पष्ट किए जाने के संबंध में होना चाहिए या फिर बेहतर करने की इच्छा से संबंधित होना चाहिए। *

पुराने दौर से लेकर आज के समय में भी दुनिया भर के देशों में जन्मदिन के उत्सव को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता रहा है। कुछ जगहों की परंपराएं तो बहुत ही अजब-अनोखी हैं। इनमें से कुछ दिलचस्प परंपराओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के अजब-अनोखे तरीके

बच्चों का 'किंडरफेस्ट' सेलिब्रेशन, जर्मनी

जन्मदिन पर 'पिन्याटा' फोड़ने की प्रथा, मैक्सिको

रोचक / नेहा जैन

बर्थ-डे का नाम सुनते ही सबसे पहले आपकी कल्पना में चारों तरफ सजे हुए रंग-बिरंगे गुब्बारे और मेज पर रखा सजा हुआ केक आता होगा। केक काटना आज जन्मदिन के उत्सव का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। लेकिन केक के आविष्कार के पूर्व या उसके बाद भी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोग किस तरह बर्थ-डे सेलिब्रेट करते थे, यह जानना बहुत दिलचस्प है।

प्राचीन यूनान (ग्रीस): प्राचीन काल में यूनान देश के लोग जन्मदिन के अवसर पर चंद्रमा की देवी आर्टेमिस के सम्मान में गोल आकार का शहद वाला केक बनाते थे, जो चांद का प्रतीक माना जाता था। केक पर जलती मोमबत्तियां चांद की चांदनी की तरह चमकती थीं। उनका मानना था कि मोमबत्तियों का धुआं उनकी प्रार्थनाओं को देवताओं तक पहुंचाता है।

रोमन सभ्यता: प्राचीन रोम में भी जन्मदिन के अवसर पर आटे, मेवों और शहद से बने केक या मीठी ब्रेड खिलाने का चलन था।

प्राचीन मिस्र (इजिप्ट): प्राचीन मिस्र के फराओ (राजाओं) के राज्याभिषेक के दिन को उनका 'जन्मदिन' माना जाता था, जिसे भव्य उत्सव के रूप में मनाते थे। इस अवसर पर विशेष तरह के कई पकवान बनाए जाते थे।

जर्मनी का किंडरफेस्ट: 18वीं शताब्दी में जर्मनी में बच्चों के जन्मदिन पर विशेष उत्सव मनाया जाता था, जिसे 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। यहां बच्चे की उम्र के अनुसार केक पर मोमबत्तियां लगाई जाती थीं और एक अतिरिक्त मोमबत्ती गुड लक के लिए रखी जाती थी।

ऐसे भी करते हैं बर्थ-डे सेलिब्रेटः आज भी दुनिया के अलग-अलग देशों में जन्मदिन को अनूठे तरीकों से मनाते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

चीनः चीन में बच्चे के बर्थ-डे पर केक की जगह लंबी उम्र के प्रतीक के रूप में 'लॉन्जिविटी नूडल्स' खाए जाते हैं। मान्यता है कि नूडल्स जितने लंबे होंगे, उम्र उतनी ही लंबी होगी। हालांकि अब वहां केक के साथ भी बर्थ-डे सेलिब्रेशन लोकप्रिय है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंडः इन दोनों देशों में बर्थ-डे के अवसर पर फलों और क्रीम से सजी 'पावलोवा' केक बनाया और खाया जाता है।

जापानः यहां 3, 5 और 7 साल का होने पर बच्चों का जन्मदिन विशेष उत्सव के रूप में मनाते हैं, जहां वे पारंपरिक किमोनो पहनकर मंदिर जाते हैं। यह परंपरा शिकी-गो-सान कहलाती है।

मैक्सिकोः यहां जन्मदिन की पार्टियों में 'पिन्याटा' फोड़ने का रिवाज है। यह कागज से बना बड़ा-सा खिलौना या गुब्बारा होता है। इसे कैंडी और छोटे-छोटे खिलौनों से भरा जाता है, फिर ऊंचाई पर लटका दिया जाता है। फोड़ने पर इससे निकलने वाले उपहारों को बच्चे बड़े उत्साह से लूटते हैं।

दक्षिण कोरियाः यहां जन्मदिन की सुबह 'मियेओक-गुक' (सीवीड सूप) पीना अनिवार्य माना जाता है। यह मां के प्रति सम्मान जताने का तरीका है, क्योंकि प्रसव के बाद मांएं इसे खाती हैं।

डेनमार्कः डेनमार्क में यदि किसी के घर के बाहर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा हो तो इसका मतलब है कि घर में किसी का जन्मदिन है।

कनाडाः कनाडा में कुछ जगहों पर बर्थ-डे पर उस व्यक्ति की 'नोज ग्रीसिंग' की परंपरा है। माना जाता है कि नाक पर मक्खन लगाने से आने वाले साल में उसकी मुसीबतें फिसल कर दूर चली जाएंगी। कनाडा और अमेरिका में लड़कियों के 16वें जन्मदिन को बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे स्वीट सिक्सटीन फेस्टिवल के रूप में मनाते हैं।

लैटिन अमेरिकाः लैटिन अमेरिकी देशों में लड़कियों के 15वें जन्मदिन को विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जो उनके बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ने का प्रतीक होता है। *

भारत में बर्थ-डे सेलिब्रेशन

अपने देश भारत में जन्मदिन पर मंदिर जाने, अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेने और नए कपड़े पहनने आदि का रिवाज है। हालांकि महानगरों में आजकल बर्थ-डे पर केक काटना पॉपुलर हो गया है। लेकिन भारत में पारंपरिक रूप से इस अवसर पर खीर, मिठाई या हलवा खिलाया जाता है।

अनूठे बर्थ-डे केक्स

बर्थ-डे केक से जुड़ी कुछ बातें बहुत ही इंट्रेस्टिंग हैं। **भारत का सबसे भारी बर्थ-डे केकः** भारत का सबसे भारी और लंबा बर्थडे केक 5.7 टन का था। यह विशाल केक जनवरी 2020 में भारतीय अभिनेता 'रॉकिंग स्टार यश' के जन्मदिन के अवसर पर बेंगलुरू, कर्नाटक में बनाया गया था। इसे बनाने में 22,500 अंडे, 1,800 किलोग्राम मैदा और 1,150 किलोग्राम चीनी का इस्तेमाल किया गया था। इस केक को 'श्री राम भवन स्वीट्स एंड बेकरी' के 20 कारीगरों ने 96 घंटों में तैयार किया था।

दुनिया का सबसे महंगा केकः दुनिया का सबसे महंगा केक ब्रिटिश डिजाइनर डेबी विंघम द्वारा वर्ष 2015 में बनाया गया था, जिसकी कीमत लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 625 करोड़ रुपए) थी। यह केक एक फैशन रनवे की थीम पर आधारित था, जिसमें 4,000 से अधिक असली हीरे और कीमती रत्न जड़े गए थे।

दुनिया का सबसे बड़ा बर्थ-डे केकः यह रिकॉर्ड सन् 1990 में अमेरिका के अलबामा राज्य के फोर्ट पायने शहर के 100वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बने केक के नाम है।

सिने-ट्रेंड / गौरव द्विवेदी

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल महान अभिनेताओं का दौर नहीं था, बल्कि महान लेखकों का भी दौर था। 1950, 60 और 70 के दशक में बॉलीवुड की सबसे बड़ी ताकत उसके लेखक हुआ करते थे। उस दौरान फिल्मों की नींव प्रायः साहित्य पर रखी जाती थी और पटकथा लेखक फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के केंद्र में हुआ करते थे। यही कारण है कि उस दौर की अनेक फिल्में आज भी प्रासंगिक लगती हैं, जबकि तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत आज की कई फिल्में कुछ वर्षों में ही भुला दी जाती हैं।

साहित्य-सिनेमा चलते थे साथ-साथः हिंदी फिल्मों के उस स्वर्ण युग के पीछे प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन और भारतीय साहित्यिक परंपरा का गहरा प्रभाव था। उर्दू और हिंदी साहित्य से जुड़े अनेक लेखक फिल्म उद्योग में आए। इनमें साहिर लुधियानवी, कैफी आजमी, ख्वाजा अहमद अब्बास, राजेंद्र सिंह बेदी, इस्मत चुगताई, कृशन चंदर, अली सरदार जाफरी, राही मासूम रजा, गुलशन नंदा, कमलेश्वर, मनोहर श्याम जोशी और शैलेंद्र के नाम प्रमुख थे। इन लेखकों ने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि समाज, राजनीति और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज बना दिया।

साहित्य का विस्तार होती थीं फिल्मी पटकथाः उस दौर में पटकथा लेखन सिर्फ घटनाओं का क्रम नहीं था, बल्कि साहित्य का स्वाभाविक विस्तार हुआ करता था। ख्वाजा अहमद अब्बास ने 'आवारा', 'श्री 420', 'जागते रहो' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ को स्वर दिया। राजेंद्र सिंह बेदी ने 'देवदास', 'मधुमती' और 'अनुपमा' जैसी फिल्मों की पटकथाओं में साहित्यिक गहराई जोड़ी। राही मासूम रजा ने 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'गोलमाल' और बाद में 'महाभारत' (सीरियल) से अपनी पहचान बनाई।

साहित्य से निकली कालजयी फिल्मेंः यह वह दौर था, जब फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'तीसरी कसम' बनी, आर. के. नारायण के उपन्यास पर 'गाइड' बनी, बिमल मित्र के उपन्यास पर 'साहिब बीवी और गुलाम' बनी।

लेखकों की मेज से उपजा हिंदी सिनेमा का स्वर्णयुग

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल सितारों का नहीं, बल्कि लेखकों का भी स्वर्णिम समय था। साहित्य से निकली कहानियों और सशक्त पटकथाओं ने उस दौर की फिल्मों को कालजयी बनाया। आज जब बॉलीवुड सशक्त कहानी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में उसे फिर से साहित्य की ओर लौटने की दरकार है।

मन्नू भंडारी, अमृता प्रीतम, धर्मवीर भारती और प्रेमचंद जैसे साहित्यकारों की रचनाएं भी फिल्मकारों को प्रेरित करती थीं। सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक और मृणाल सेन जैसे फिल्मकारों का प्रभाव भी हिंदी सिनेमा के गंभीर रचनाकारों पर दिखाई देता था।

पटकथा लेखन के स्टार सलीम-जावेदः 1970 के दशक में पटकथा लेखन को नई ऊंचाई सलीम-जावेद की जोड़ी ने दी। 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'त्रिशूल', 'डॉन' और 'शक्ति' जैसी फिल्मों ने साबित किया कि मजबूत कहानी और दमदार संवाद किसी भी फिल्म की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यह संयोग नहीं है कि इन फिल्मों के संवाद आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं।

बदलने लगीं प्राथमिकताएंः 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की दिशा बदलने लगी। वीडियो कैसेट संस्कृति, टेलीविजन का विस्तार और तेजी से बढ़ते व्यावसायिक दबावों के बीच कहानी की जगह फॉर्मूले ने लेनी शुरू कर दी। 'डिस्को डांसर' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों की व्यावसायिक सफलता ने निर्माताओं को यह विश्वास दिलाया कि संगीत, सितारे और मनोरंजक मसाले, सशक्त कहानी की कमी पूरी कर सकते हैं।

नहीं है कहानियों की कोई कमीः वास्तव में बॉलीवुड की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि साहित्य और समाज से दूरी है। हिंदी पट्टी में प्रेमचंद, रेणु, श्रीलाल शुक्ल, अमरकांत, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, चित्रा मुद्गल, गीतांजलि श्री, संजीव और नीलोत्पल मृणाल जैसे लेखकों का विशाल संसार मौजूद है। लोककथाओं, इतिहास, ग्रामीण भारत, छोटे शहरों, सामाजिक बदलावों और समकालीन भारत के असंख्य अनुभवों से भरी कहानियां आज भी लिखी जा रही हैं। जरूरत केवल उन्हें पर्दे पर लाने की इच्छा की है।

फिर से देना होगा कहानियों को महत्वः यदि बॉलीवुड को अपनी खोई हुई रचनात्मक ऊर्जा वापस हासिल करनी है तो उसे फिर से लेखकों की महत्ता को स्वीकारना होगा। आखिरकार 'मदर इंडिया', 'दो बीघा जमीन', 'गाइड', 'आनंद' जैसी फिल्मों को कैमरों ने नहीं, कहानियों ने अमर बनाया था। सिनेमा का भविष्य भी वहीं से निकलेगा जहां उसका स्वर्णिम अतीत जन्मा था यानी लेखकों की मेज से। *

(लेखक फिल्म नीति के जानकार हैं)

दक्षिण भारतीय फिल्मों में बरकरार कहानी का महत्व

दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योगों ने कहानी की परंपरा को बनाए रखा। मलयालम सिनेमा में एम. टी. वासुदेवन नायर, पद्मराजन, लोहितदास और हाल के वर्षों में दिलीश पोथन तथा श्याम पुष्करण जैसे लेखकों-निर्देशकों ने साहित्य और समाज से जुड़ी कहानियों को जीवित रखा। तमिल सिनेमा में जयकांतन, सुजाता और बाद में वेट्रिमारन जैसे फिल्मकारों ने यथार्थवादी कथाओं की परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि 'दृश्यम', 'प्रेमम', 'कुंबलंगी नाइट्स', 'महाराजा', 'असुरन', 'जय भीम', '96', 'कांतारा', 'चार्ली 777' और 'पुष्पा' जैसी फिल्में अपनी स्थानीय संस्कृति में रची-बसी होने के बावजूद राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचती हैं। ये फिल्में दर्शाती हैं कि स्थानीयता ही वैश्विकता का रास्ता बन सकती है